“कानून राजा का हथियार है”

बिशप*
GARLAND F. BYERS, JR., J.D., D.D.‡
जातियों के लिए बिशप, प्रेरितिक आदेश के अधीन

✠

लिखा है कि शैतान इस संसार का राजा और ईश्वर है।[1] शैतान ने यीशु की परीक्षा यह कहकर की कि यदि यीशु केवल झुककर उसकी आराधना करें, तो वह उन्हें पृथ्वी के राज्यों पर प्रभुता दे देगा।[2] हमारे प्रभु ने अपनी धार्मिकता में निश्चय ही इनकार किया, परन्तु फिर भी इस बात का खण्डन नहीं किया कि शैतान के पास ठीक वही देने की सामर्थ्य थी जिसकी उसने प्रतिज्ञा की थी।[3] इसलिए शैतान के पास न केवल आत्मिक सामर्थ्य और अधिकार है, जो केवल उसी सीमा तक है जिस सीमा तक परमेश्वर उसकी अनुमति और छूट देते हैं,[4] बल्कि भौतिक संसार में भी उसके पास सामर्थ्य है, और उन लोगों के द्वारा अधिकार है जो भ्रष्ट मन, दुष्ट हृदय और सत्ता की लालसा के साथ उसके पीछे चलते हैं।[5] नरक के ये मानवीय कारिन्दे कानून को कलीसिया और विश्वासयोग्य लोगों के विरुद्ध हथियार के रूप में प्रयोग करते हैं, और जो भलाई के लिये ठहराया गया है उसे बुराई का साधन बना देते हैं।[6] यह परियोजना ऐसे उदाहरणों की पहचान करती है, जहाँ ऐसा अतीत में हुआ है, वर्तमान में हो रहा है, या निकट भविष्य में होने वाला है। कानून के द्वारा शैतान राइफल से एक भी गोली चलाए बिना मानवजाति को दास बना सकता है।[7] वास्तव में, अंत के समयों में संसार की दासता की भविष्यवाणी की गई है।[8] ऐसी स्थिति में भौतिक संसार में किसी युद्ध की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि युद्ध आत्मिक लोक में पहले ही हो चुका होता है, और भौतिक लोक (पृथ्वी) में वह केवल कलम से किसी कानून पर हस्ताक्षर किए जाने के द्वारा प्रकट होता है।[9] एक बार जब कोई सांसारिक कानून स्थापित हो जाता है, चाहे वह कानून मसीह की आराधना को, या मसीह के नाम में लोगों के इकट्ठा होने को, या उन साधनों को अवैध ठहराए जिनके द्वारा मनुष्य अत्याचार के विरुद्ध अपनी रक्षा करने के अपने परमेश्वर-प्रदत्त अधिकार के द्वारा स्वतंत्र रह सकते हैं,[10] तो किसी आश्चर्यकर्म के बिना उस कानून को बदलना बहुत कठिन होता है।[11] इसी कारण प्रार्थना, कलीसिया की आराधना में उपस्थित होना और परमेश्वर की सेवा अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं।[12]

✠

टिप्पणियाँ

1

“और उन अविश्वासियों के लिये, जिनकी बुद्धि इस संसार के ईश्वर ने अंधी कर दी है, ताकि मसीह जो परमेश्वर का प्रतिरूप है, उसके तेजोमय सुसमाचार का प्रकाश उन पर न चमके।” 2 कुरिन्थियों 4:4 (IRV)। “अब इस जगत का न्याय होता है, अब इस जगत का सरदार निकाल दिया जाएगा।” यूहन्ना 12:31 (IRV)। “मैं अब से तुम्हारे साथ और बहुत बातें न करूँगा, क्योंकि इस संसार का सरदार आता है, और मुझ पर उसका कुछ अधिकार नहीं।” यूहन्ना 14:30 (IRV)। “न्याय के विषय में इसलिए कि संसार का सरदार दोषी ठहराया गया है।” यूहन्ना 16:11 (IRV)। “जिनमें तुम पहले इस संसार की रीति पर, और आकाश के अधिकार के अधिपति अर्थात् उस आत्मा के अनुसार चलते थे, जो अब भी आज्ञा न माननेवालों में कार्य करता है।” इफिसियों 2:2 (IRV)। “हम जानते हैं, कि हम परमेश्वर से हैं, और सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है।” 1 यूहन्ना 5:19 (IRV)। “अथाह कुण्ड का दूत उन पर राजा था, उसका नाम इब्रानी में अबद्दोन, और यूनानी में अपुल्लयोन है।” प्रकाशितवाक्य 9:11 (IRV)।

2

“फिर शैतान उसे एक बहुत ऊँचे पहाड़ पर ले गया और सारे जगत के राज्य और उसका वैभव दिखाकर उससे कहा, “यदि तू गिरकर मुझे प्रणाम करे, तो मैं यह सब कुछ तुझे दे दूँगा।” तब यीशु ने उससे कहा, “हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है: ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’ ”” मत्ती 4:8–10 (IRV)। “तब शैतान उसे ले गया और उसको पल भर में जगत के सारे राज्य दिखाए। और उससे कहा, “मैं यह सब अधिकार, और इनका वैभव तुझे दूँगा, क्योंकि वह मुझे सौंपा गया है, और जिसे चाहता हूँ, उसे दे सकता हूँ। इसलिए, यदि तू मुझे प्रणाम करे, तो यह सब तेरा हो जाएगा।” यीशु ने उसे उत्तर दिया, “लिखा है: ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर; और केवल उसी की उपासना कर।’ ”” लूका 4:5–8 (IRV)।

3

“और उससे कहा, “मैं यह सब अधिकार, और इनका वैभव तुझे दूँगा, क्योंकि वह मुझे सौंपा गया है, और जिसे चाहता हूँ, उसे दे सकता हूँ।” लूका 4:6 (IRV)। “...हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है: ‘तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर।’” मत्ती 4:10 (IRV)। “अब इस जगत का न्याय होता है, अब इस जगत का सरदार निकाल दिया जाएगा।” यूहन्ना 12:31 (IRV)। “मैं अब से तुम्हारे साथ और बहुत बातें न करूँगा, क्योंकि इस संसार का सरदार आता है, और मुझ पर उसका कुछ अधिकार नहीं।” यूहन्ना 14:30 (IRV)। “हम जानते हैं, कि हम परमेश्वर से हैं, और सारा संसार उस दुष्ट के वश में पड़ा है।” 1 यूहन्ना 5:19 (IRV)।

4

“यहोवा ने शैतान से कहा, “सुन, जो कुछ उसका है, वह सब तेरे हाथ में है; केवल उसके शरीर पर हाथ न लगाना।” तब शैतान यहोवा के सामने से चला गया।” अय्यूब 1:12 (IRV)। “यहोवा ने शैतान से कहा, “सुन, वह तेरे हाथ में है, केवल उसका प्राण छोड़ देना।”” अय्यूब 2:6 (IRV)। “शमौन, हे शमौन, शैतान ने तुम लोगों को माँग लिया है कि गेहूँ के समान फटके। परन्तु मैंने तेरे लिये विनती की, कि तेरा विश्वास जाता न रहे और जब तू फिरे, तो अपने भाइयों को स्थिर करना।” लूका 22:31–32 (IRV)। “तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने के बाहर है: और परमेश्वर विश्वासयोग्य है: वह तुम्हें सामर्थ्य से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, वरन् परीक्षा के साथ निकास भी करेगा; कि तुम सह सको।” 1 कुरिन्थियों 10:13 (IRV)। “और उसने उस अजगर, अर्थात् पुराने साँप को, जो शैतान है; पकड़कर हजार वर्ष के लिये बाँध दिया, और उसे अथाह कुण्ड में डालकर बन्द कर दिया और उस पर मुहर कर दी, कि वह हजार वर्ष के पूरे होने तक जाति-जाति के लोगों को फिर न भरमाए। इसके बाद अवश्य है कि थोड़ी देर के लिये फिर खोला जाए।” प्रकाशितवाक्य 20:2–3 (IRV)।

5

“तुम अपने पिता शैतान से हो, और अपने पिता की लालसाओं को पूरा करना चाहते हो। वह तो आरम्भ से हत्यारा है, और सत्य पर स्थिर न रहा, क्योंकि सत्य उसमें है ही नहीं; जब वह झूठ बोलता, तो अपने स्वभाव ही से बोलता है; क्योंकि वह झूठा है, वरन् झूठ का पिता है।” यूहन्ना 8:44 (IRV)। “और इसके द्वारा शैतान की इच्छा पूरी करने के लिये सचेत होकर शैतान के फंदे से छूट जाएँ।” 2 तीमुथियुस 2:26 (IRV)। “और जैसे यन्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा का विरोध किया था वैसे ही ये भी सत्य का विरोध करते हैं; ये तो ऐसे मनुष्य हैं, जिनकी बुद्धि भ्रष्ट हो गई है और वे विश्वास के विषय में निकम्मे हैं।” 2 तीमुथियुस 3:8 (IRV)। “और उन मनुष्यों में व्यर्थ रगड़े-झगड़े उत्पन्न होते हैं, जिनकी बुद्धि बिगड़ गई है और वे सत्य से विहीन हो गए हैं, जो समझते हैं कि भक्ति लाभ का द्वार है।” 1 तीमुथियुस 6:5 (IRV)। “तुम में लड़ाइयाँ और झगड़े

कहाँ से आते है? क्या उन सुख-विलासों से नहीं जो तुम्हारे अंगों में लड़ते-भिड़ते हैं? तुम लालसा रखते हो, और तुम्हें मिलता नहीं; तुम हत्या और डाह करते हो, और कुछ प्राप्त नहीं कर सकते; तुम झगड़ते और लड़ते हो; तुम्हें इसलिए नहीं मिलता, कि माँगते नहीं।" याकूब 4:1–2 (IRV)। "जो पशु मैंने देखा, वह चीते के समान था; और उसके पाँव भालू के समान, और मुँह सिंह के समान था। और उस अजगर ने अपनी सामर्थ्य, और अपना सिंहासन, और बड़ा अधिकार, उसे दे दिया।" प्रकाशितवाक्य 13:2 (IRV)।

6

"पर हम जानते हैं कि यदि कोई व्यवस्था को व्यवस्था की रीति पर काम में लाए तो वह भली है।" 1 तीमुथियुस 1:8 (IRV)। "इसलिए व्यवस्था पवित्र है, और आज्ञा पवित्र, धर्मी, और अच्छी है।" रोमियों 7:12 (IRV)। "क्योंकि वह तेरी भलाई के लिये परमेश्वर का सेवक है। परन्तु यदि तू बुराई करे, तो डर; क्योंकि वह तलवार व्यर्थ लिए हुए नहीं और परमेश्वर का सेवक है; कि उसके क्रोध के अनुसार बुरे काम करनेवाले को दण्ड दे।" रोमियों 13:4 (IRV)। "हाय उन पर जो बुरे को भला और भले को बुरा कहते, जो अंधियारे को उजियाला और उजियाले को अंधियारा ठहराते, और कड़वे को मीठा और मीठे को कड़वा करके मानते हैं!" यशायाह 5:20 (IRV)। "हाय उन पर जो दुष्टता से न्याय करते, और उन पर जो उत्पात करने की आज्ञा लिख देते हैं, कि वे कंगालों का न्याय बिगाड़ें और मेरी प्रजा के दीन लोगों का हक मारें, कि वे विधवाओं को लूटें और अनाथों का माल अपना लें!" यशायाह 10:1–2 (IRV)। "क्या तेरे और दुष्टों के सिंहासन के बीच संधि होगी, जो कानून की आड़ में उत्पात मचाते हैं?" भजन संहिता 94:20 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

"...कानूनों की स्थापना के द्वारा वे जातियों के बीच दुष्टता की अधिकता को दबाए रखें।" (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) ल्योन के इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध 5.24.2, अनु. Alexander Roberts और William Rambaut, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

7

"उसने कहा, "जो राजा तुम पर राज्य करेगा उसकी यह चाल होगी, अर्थात् वह तुम्हारे पुत्रों को लेकर अपने रथों और घोड़ों के काम पर नौकर रखेगा, और वे उसके रथों के आगे-आगे दौड़ा करेंगे; फिर वह उनको हजार-हजार और पचास-पचास के ऊपर प्रधान बनाएगा, और कितनों से वह अपने हल जुतवाएगा, और अपने खेत कटवाएगा, और अपने लिये युद्ध के हथियार और रथों के साज बनवाएगा। फिर वह तुम्हारी बेटियों को लेकर उनसे सुगन्ध-द्रव्य और रसोई और रोटियाँ बनवाएगा। फिर वह तुम्हारे खेतों और दाख और जैतून की बारियों में से जो अच्छी से अच्छी होंगी उन्हें ले लेकर अपने कर्मचारियों को देगा। फिर वह तुम्हारे बीज और दाख की बारियों का दसवाँ अंश ले लेकर अपने हाकिमों और कर्मचारियों को देगा। फिर वह तुम्हारे दास दासियों को, और तुम्हारे अच्छे से अच्छे जवानों को, और तुम्हारे गदहों को भी लेकर अपने काम में लगाएगा। वह तुम्हारी भेड़-बकरियों का भी दसवाँ अंश लेगा; इस प्रकार तुम लोग उसके दास बन जाओगे। और उस दिन तुम अपने उस चुने हुए राजा के कारण दुहाई दोगे, परन्तु यहोवा उस समय तुम्हारी न सुनेगा।"" 1 शमूएल 8:11–18 (IRV)। "मिस्र में एक नया राजा गद्दी पर बैठा जो यूसुफ को नहीं जानता था। और उसने अपनी प्रजा से कहा, "देखो, इस्राएली हम से गिनती और सामर्थ्य में अधिक बढ़ गए हैं। इसलिए आओ, हम उनके साथ बुद्धिमानी से बर्ताव करें, कहीं ऐसा न हो कि जब वे बहुत बढ़ जाएँ, और यदि युद्ध का समय आ पड़े, तो हमारे बैरियों से मिलकर हम से लड़ें और इस देश से निकल जाएँ।" इसलिए मिस्रियों ने उन पर बेगारी करानेवालों को नियुक्त किया कि वे उन पर भार डाल-डालकर उनको दुःख दिया करें; तब उन्होंने फ़िरौन के लिये पितोम और रामसेस नामक भण्डारवाले नगरों को बनाया। पर ज्यों-ज्यों वे उनको दुःख देते गए त्यों-त्यों वे बढ़ते और फैलते चले गए; इसलिए वे इस्राएलियों से अत्यन्त डर गए। तो भी मिस्रियों ने इस्राएलियों से कठोरता के साथ सेवा करवाई; और उनके जीवन को गारे, ईट और खेती के भाँति-भाँति के काम की कठिन सेवा से दुःखी कर डाला; जिस किसी काम में वे उनसे सेवा करवाते थे उसमें वे कठोरता का व्यवहार करते थे।" निर्गमन 1:8–14 (IRV)।

8

"और उसने छोटे-बड़े, धनी-कंगाल, स्वतंत्र-दास सब के दाहिने हाथ या उनके माथे पर एक-एक छाप करा दी, कि उसको छोड़ जिस पर छाप अर्थात् उस पशु का नाम, या उसके नाम का अंक हो, और अन्य कोई लेन-देन न कर सके।" प्रकाशितवाक्य 13:16–17 (IRV)। "उसे यह

अधिकार दिया गया, कि पवित्र लोगों से लड़े, और उन पर जय पाए, और उसे हर एक कुल, लोग, भाषा, और जाति पर अधिकार दिया गया। पृथ्वी के वे सब रहनेवाले जिनके नाम उस मेम्ने की जीवन की पुस्तक में लिखे नहीं गए, जो जगत की उत्पत्ति के समय से घात हुआ है, उस पशु की पूजा करेंगे।" प्रकाशितवाक्य 13:7–8 (IRV)। "उसने कहा, 'उस चौथे जन्तु का अर्थ, एक चौथा राज्य है, जो पृथ्वी पर होकर और सब राज्यों से भिन्न होगा, और सारी पृथ्वी को नाश करेगा, और दाँवकर चूर-चूर करेगा। और उन दस सींगों का अर्थ यह है, कि उस राज्य में से दस राजा उठेंगे, और उनके बाद उन पहलों से भिन्न एक और राजा उठेगा, जो तीन राजाओं को गिरा देगा। और वह परमप्रधान के विरुद्ध बातें कहेगा, और परमप्रधान के पवित्र लोगों को पीस डालेगा, और समयों और व्यवस्था के बदल देने की आशा करेगा, वरन् साढ़े तीन काल तक वे सब उसके वश में कर दिए जाएँगे।" दानिय्येल 7:23–25 (IRV)। "जो दस सींग तूने देखे वे दस राजा हैं; जिन्होंने अब तक राज्य नहीं पाया; पर उस पशु के साथ घड़ी भर के लिये राजाओं के समान अधिकार पाएँगे। ये सब एक मन होंगे, और वे अपनी-अपनी सामर्थ्य और अधिकार उस पशु को देंगे।" प्रकाशितवाक्य 17:12–13 (IRV)। "क्योंकि परमेश्वर उनके मन में यह डालेगा कि वे उसकी मनसा पूरी करें; और जब तक परमेश्वर के वचन पूरे न हो लें, तब तक एक मन होकर अपना-अपना राज्य पशु को दे दें।" प्रकाशितवाक्य 17:17 (IRV)। "किसी रीति से किसी के धोखे में न आना क्योंकि वह दिन न आएगा, जब तक विद्रोह नहीं होता, और वह अधर्मी पुरुष अर्थात् विनाश का पुत्र प्रगट न हो। जो विरोध करता है, और हर एक से जो परमेश्वर, या पूज्य कहलाता है, अपने आपको बड़ा ठहराता है, यहाँ तक कि वह परमेश्वर के मन्दिर में बैठकर अपने आपको परमेश्वर प्रगट करता है।" 2 थिस्सलुनीकियों 2:3–4 (IRV)। "...उन दस राजाओं के विषय में जो तब उठेंगे, जिनके बीच वह साम्राज्य, जो अभी [पृथ्वी पर] शासन करता है, बाँटा जाएगा..." (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) ल्योन के इरेनियस, विधर्मों के विरुद्ध 5.26.1, अनु. Alexander Roberts और William Rambaut, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। "...पाँवों की उँगलियों से उन्होंने उन राजाओं का अर्थ लिया जो उनके बीच से उठनेवाले हैं..." "...मूर्ति की दस उँगलियाँ (उतने ही) लोकतंत्रों के बराबर हैं..." "...चौथे पशु के दस सींग दस राज्यों में बँटे हुए हैं..." (ANF 5 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) रोम के हिप्पोलिटस, मसीह और मसीह-विरोधी पर निबंध, अध्याय 25, 27, अनु. J. H. MacMahon, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 5 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1886) में।

9

"क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध, लहू और माँस से नहीं, परन्तु प्रधानों से और अधिकारियों से, और इस संसार के अंधकार के शासकों से, और उस दुष्टता की आत्मिक सेनाओं से है जो आकाश में हैं।" इफिसियों 6:12 (IRV)। "फिर स्वर्ग पर लड़ाई हुई, मीकाईल और उसके स्वर्गदूत अजगर से लड़ने को निकले; और अजगर और उसके दूत उससे लड़े, परन्तु प्रबल न हुए, और स्वर्ग में उनके लिये फिर जगह न रही। और वह बड़ा अजगर अर्थात् वही पुराना साँप, जो शैतान कहलाता है, और सारे संसार का भरमानेवाला है, पृथ्वी पर गिरा दिया गया; और उसके दूत उसके साथ गिरा दिए गए।" प्रकाशितवाक्य 12:7–9 (IRV)। "फारस के राज्य का प्रधान इक्कीस दिन तक मेरा सामना किए रहा; परन्तु मीकाएल जो मुख्य प्रधानों में से है, वह मेरी सहायता के लिये आया, इसलिए मैं फारस के राजाओं के पास रहा..." दानिय्येल 10:13 (IRV)।

कानून पर हस्ताक्षर के द्वारा

"फिर उसी पहले महीने के तेरहवें दिन को राजा के लेखक बुलाए गए, और हामान की आज्ञा के अनुसार राजा के सब अधिपतियों, और सब प्रान्तों के प्रधानों, और देश-देश के लोगों के हाकिमों के लिये चिट्ठियाँ, एक-एक प्रान्त के अक्षरों में, और एक-एक देश के लोगों की भाषा में राजा क्षयर्ष के नाम से लिखी गई; और उनमें राजा की मुहर वाली अंगूठी की छाप लगाई गई।" एस्तेर 3:12 (IRV)। "तब दारा राजा ने उस आज्ञापत्र पर हस्ताक्षर कर दिया।" दानिय्येल 6:9 (IRV)।

10

मसीह की आराधना और उनके नाम में इकट्ठा होने को अवैध ठहराना

"राज्य के सारे अध्यक्षों ने, और हाकिमों, अधिपतियों, न्यायियों, और राज्यपालों ने आपस में सम्मति की है, कि राजा ऐसी आज्ञा दे और ऐसी कड़ी आज्ञा निकाले, कि तीस दिन तक जो कोई, हे राजा, तुझे छोड़ किसी और मनुष्य या देवता से विनती करे, वह सिंहों की माँद में डाल

दिया जाए।" दानिय्येल 6:7 (IRV)। "तब पतरस और यूहन्ना को बुलाया और चेतावनी देकर यह कहा, "यीशु के नाम से कुछ भी न बोलना और न सिखाना।"" प्रेरितों के काम 4:18 (IRV)। "क्या हमने तुम्हें चिताकर आज्ञा न दी थी, कि तुम इस नाम से उपदेश न करना? फिर भी देखो, तुम ने सारे यरूशलेम को अपने उपदेश से भर दिया है और उस व्यक्ति का लहू हमारी गर्दन पर लाना चाहते हो।" प्रेरितों के काम 5:28 (IRV)।

वे साधन जिनके द्वारा मनुष्य स्वतंत्र रह सकते हैं

"इस्राएल के पूरे देश में लोहार कहीं नहीं मिलता था, क्योंकि पलिश्तियों ने कहा था, "इब्री तलवार या भाला बनाने न पाएँ;" इसलिए सब इस्राएली अपने-अपने हल की फाल, और भाले, और कुल्हाड़ी, और हँसुआ तेज करने के लिये पलिश्तियों के पास जाते थे; परन्तु उनके हँसुओं, फालों, खेती के त्रिशूलों, और कुल्हाड़ियों की धारें, और पैनों की नोकें ठीक करने के लिये वे रेती रखते थे। इसलिए युद्ध के दिन शाऊल और योनातान के साथियों में से किसी के पास न तो तलवार थी और न भाला, वे केवल शाऊल और उसके पुत्र योनातान के पास थे।" 1 शमूएल 13:19–22 (IRV)। "...परन्तु अब जिसके पास बटुआ हो वह उसे ले, और वैसे ही झोली भी, और जिसके पास तलवार न हो वह अपने कपड़े बेचकर एक मोल ले।" लूका 22:36 (IRV)। "यदि चोर सेंध लगाते हुए पकड़ा जाए, और उस पर ऐसी मार पड़े कि वह मर जाए, तो उसके खून का दोष न लगे..." निर्गमन 22:2 (IRV)। "तब मैं देखकर उठा, और रईसों और हाकिमों और सब लोगों से कहा, "उनसे मत डरो; प्रभु जो महान और भययोग्य है, उसी को स्मरण करके, अपने भाइयों, बेटों, बेटियों, स्त्रियों और घरों के लिये युद्ध करना।"" नहेम्याह 4:14 (IRV)। "शहरपनाह को बनानेवाले और बोझ के ढोनेवाले दोनों भार उठाते थे, अर्थात् एक हाथ से काम करते थे और दूसरे हाथ से हथियार पकड़े रहते थे। राजमिस्त्री अपनी-अपनी जाँघ पर तलवार लटकाए हुए बनाते थे। और नरसिंगे का फूँकनेवाला मेरे पास रहता था।" नहेम्याह 4:17–18 (IRV)। "धन्य है यहोवा, जो मेरी चट्टान है, वह युद्ध के लिए मेरे हाथों को और लड़ाई के लिए मेरी उँगलियों को अभ्यास कराता है।" भजन संहिता 144:1 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

"जो सम्भव होने पर भी अपने मित्र से हानि को दूर नहीं रखता, वह उतना ही दोषी है जितना वह जो हानि पहुँचाता है।" (NPNF2 10 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) मिलान के एम्ब्रोस, पादरियों के कर्तव्यों के विषय में 1.36.179, अनु. H. de Romestin, Nicene and Post-Nicene Fathers, द्वितीय शृंखला, खंड 10, सं. Philip Schaff और Henry Wace (New York: Christian Literature Publishing, 1896) में। "क्योंकि साहस, जो युद्ध में अपने देश को बर्बरों से बचाता है, या घर में निर्बलों की, या साथियों की डाकुओं से रक्षा करता है, न्याय से भरा है..." (NPNF2 10 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) मिलान के एम्ब्रोस, पादरियों के कर्तव्यों के विषय में 1.27.129, अनु. H. de Romestin, Nicene and Post-Nicene Fathers, द्वितीय शृंखला, खंड 10, सं. Philip Schaff और Henry Wace (New York: Christian Literature Publishing, 1896) में।

11

मादियों और फारसियों की व्यवस्था, जो टलती नहीं

"इसलिए अब हे राजा, ऐसी आज्ञा दे, और इस पत्र पर हस्ताक्षर कर, जिससे यह बात मादियों और फारसियों की अटल व्यवस्था के अनुसार अदल-बदल न हो सके।" दानिय्येल 6:8 (IRV)। "तब वे पुरुष राजा के पास उतावली से आकर कहने लगे, "हे राजा, यह जान रख, कि मादियों और फारसियों में यह व्यवस्था है कि जो-जो मनाही या आज्ञा राजा ठहराए, वह नहीं बदल सकती।"" दानिय्येल 6:15 (IRV)। "अतः तुम अपनी समझ के अनुसार राजा के नाम से यहूदियों के नाम पर लिखो, और राजा की मुहर वाली अंगूठी की छाप भी लगाओ; क्योंकि जो चिट्ठी राजा के नाम से लिखी जाए, और उस पर उसकी अंगूठी की छाप लगाई जाए, उसको कोई भी पलट नहीं सकता।" एस्तेर 8:8 (IRV)।

परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है

“मेरे परमेश्वर ने अपना दूत भेजकर सिंहों के मुँह को ऐसा बन्द कर रखा कि उन्होंने मेरी कुछ भी हानि नहीं की; इसका कारण यह है, कि मैं उसके सामने निर्दोष पाया गया; और हे राजा, तेरे सम्मुख भी मैंने कोई भूल नहीं की।” दानिय्येल 6:22 (IRV)। “इन चिट्ठियों में सब नगरों के यहूदियों को राजा की ओर से अनुमति दी गई, कि वे इकट्ठे हों और अपना-अपना प्राण बचाने के लिये तैयार होकर, जिस जाति या प्रान्त के लोग अन्याय करके उनको या उनकी स्त्रियों और बाल-बच्चों को दुःख देना चाहें, उनको घात और नाश करें, और उनकी धन-सम्पत्ति लूट लें।” एस्तेर 8:11 (IRV)। “तब प्रभु का एक स्वर्गदूत आ खड़ा हुआ और उस कोठरी में ज्योति चमकी, और उसने पतरस की पसली पर हाथ मारकर उसे जगाया, और कहा, “उठ, जल्दी कर।” और उसके हाथ से जंजीरें खुलकर गिर पड़ीं। तब स्वर्गदूत ने उससे कहा, “कमर बाँध, और अपने जूते पहन ले।” उसने वैसा ही किया, फिर उसने उससे कहा, “अपना वस्त्र पहनकर मेरे पीछे हो ले।” वह निकलकर उसके पीछे हो लिया; परन्तु यह न जानता था कि जो कुछ स्वर्गदूत कर रहा है, वह सच है, बल्कि यह समझा कि मैं दर्शन देख रहा हूँ। तब वे पहले और दूसरे पहरे से निकलकर उस लोहे के फाटक पर पहुँचे, जो नगर की ओर है। वह उनके लिये आप से आप खुल गया, और वे निकलकर एक ही गली होकर गए, इतने में स्वर्गदूत उसे छोड़कर चला गया।” प्रेरितों के काम 12:7–10 (IRV)। “परमेश्वर के लिए कुछ भी असम्भव नहीं है।” लूका 1:37 (IRV)। “...मनुष्यों से तो यह नहीं हो सकता, परन्तु परमेश्वर से सब कुछ हो सकता है।” मत्ती 19:26 (IRV)।

12

प्रार्थना

“तब यदि मेरी प्रजा के लोग जो मेरे कहलाते हैं, दीन होकर प्रार्थना करें और मेरे दर्शन के खोजी होकर अपनी बुरी चाल से फिरें, तो मैं स्वर्ग में से सुनकर उनका पाप क्षमा करूँगा और उनके देश को ज्यों का त्यों कर दूँगा।” 2 इतिहास 7:14 (IRV)। “निरन्तर प्रार्थना में लगे रहो।” 1 थिस्सलुनीकियों 5:17 (IRV)। “इसलिए तुम आपस में एक दूसरे के सामने अपने-अपने पापों को मान लो; और एक दूसरे के लिये प्रार्थना करो, जिससे चंगे हो जाओ; धर्मी जन की प्रार्थना के प्रभाव से बहुत कुछ हो सकता है।” याकूब 5:16 (IRV)। “फिर उसने इसके विषय में कि नित्य प्रार्थना करना और साहस नहीं छोड़ना चाहिए उनसे यह दृष्टान्त कहा...” लूका 18:1 (IRV)। “जागते रहो, और प्रार्थना करते रहो, कि तुम परीक्षा में न पड़ो! आत्मा तो तैयार है, परन्तु शरीर दुर्बल है।” मत्ती 26:41 (IRV)।

इकट्ठे होना

“और प्रेम, और भले कामों में उकसाने के लिये एक दूसरे की चिन्ता किया करें। और एक दूसरे के साथ इकट्ठा होना न छोड़ें, जैसे कि कितनों की रीति है, पर एक दूसरे को समझाते रहें; और ज्यों-ज्यों उस दिन को निकट आते देखो, त्यों-त्यों और भी अधिक यह किया करो।” इब्रानियों 10:24–25 (IRV)। “और वे प्रेरितों से शिक्षा पाने, और संगति रखने में और रोटी तोड़ने में और प्रार्थना करने में लौलीन रहे।” प्रेरितों के काम 2:42 (IRV)। “और वे प्रतिदिन एक मन होकर मन्दिर में इकट्ठे होते थे, और घर-घर रोटी तोड़ते हुए आनन्द और मन की सिधाई से भोजन किया करते थे। और परमेश्वर की स्तुति करते थे, और सब लोग उनसे प्रसन्न थे; और जो उद्धार पाते थे, उनको प्रभु प्रतिदिन उनमें मिला देता था।” प्रेरितों के काम 2:46–47 (IRV)। “क्योंकि जहाँ दो या तीन मेरे नाम पर इकट्ठे होते हैं वहाँ मैं उनके बीच में होता हूँ।” मत्ती 18:20 (IRV)।

परमेश्वर की सेवा

“और यदि यहोवा की सेवा करनी तुम्हें बुरी लगे, तो आज चुन लो कि तुम किसकी सेवा करोगे, चाहे उन देवताओं की जिनकी सेवा तुम्हारे पुरखा महानद के उस पार करते थे, और चाहे एमोरियों के देवताओं की सेवा करो जिनके देश में तुम रहते हो; परन्तु मैं तो अपने घराने समेत यहोवा ही की सेवा नित करूँगा।” यहोशू 24:15 (IRV)। “इसलिए हे भाइयों, मैं तुम से परमेश्वर की दया स्मरण दिलाकर विनती करता हूँ, कि अपने शरीरों को जीवित, और पवित्र, और परमेश्वर को भावता हुआ बलिदान करके चढ़ाओ; यही तुम्हारी आत्मिक सेवा है।” रोमियों 12:1 (IRV)। “और जो कुछ तुम करते हो, तन मन से करो, यह समझकर कि मनुष्यों के लिये नहीं परन्तु प्रभु के लिये करते हो। क्योंकि तुम जानते हो कि तुम्हें इसके बदले प्रभु से विरासत मिलेगी। तुम प्रभु मसीह की सेवा करते हो।” कुलुस्सियों 3:23–24 (IRV)।

एक होकर साथ खड़े रहना

“केवल इतना करो कि तुम्हारा चाल-चलन मसीह के सुसमाचार के योग्य हो कि चाहे मैं आकर तुम्हें देखूँ, चाहे न भी आऊँ, तुम्हारे विषय में यह सुनूँ कि तुम एक ही आत्मा में स्थिर हो, और एक चित्त होकर सुसमाचार के विश्वास के लिये परिश्रम करते रहते हो।” फिलिप्पियों 1:27 (IRV)। “देखो, यह क्या ही भली और मनोहर बात है कि भाई लोग आपस में मिले रहें!” भजन संहिता 133:1 (IRV)। “और मेल के बन्धन में आत्मा की एकता रखने का यत्न करो। एक ही देह है, और एक ही आत्मा; जैसे तुम्हें जो बुलाए गए थे अपने बुलाए जाने से एक ही आशा है। एक ही प्रभु है, एक ही विश्वास, एक ही बपतिस्मा, और सब का एक ही परमेश्वर और पिता है, जो सब के ऊपर और सब के मध्य में, और सब में है।” इफिसियों 4:3–6 (IRV)। “मैं केवल इन्हीं के लिये विनती नहीं करता, परन्तु उनके लिये भी जो इनके वचन के द्वारा मुझ पर विश्वास करेंगे, कि वे सब एक हों; जैसा तू हे पिता मुझ में हैं, और मैं तुझ में हूँ, वैसे ही वे भी हम में हों, इसलिए कि जगत विश्वास करे, कि तू ही ने मुझे भेजा।” यूहन्ना 17:20–21 (IRV)।

स्वर्ग के नागरिक, इस संसार में परदेशी

“पर हमारा स्वदेश स्वर्ग में है; और हम एक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह के वहाँ से आने की प्रतीक्षा करते हैं।” फिलिप्पियों 3:20 (IRV)। “ये सब विश्वास ही की दशा में मरे; और उन्होंने प्रतिज्ञा की हुई वस्तुएँ नहीं पाई; पर उन्हें दूर से देखकर आनन्दित हुए और मान लिया, कि हम पृथ्वी पर परदेशी और बाहरी हैं।” इब्रानियों 11:13 (IRV)। “हे प्रियों मैं तुम से विनती करता हूँ कि तुम अपने आपको परदेशी और यात्री जानकर उन सांसारिक अभिलाषाओं से जो आत्मा से युद्ध करती हैं, बचे रहो।” 1 पतरस 2:11 (IRV)। “इसलिए तुम अब परदेशी और मुसाफिर नहीं रहे, परन्तु पवित्र लोगों के संगी स्वदेशी और परमेश्वर के घराने के हो गए।” इफिसियों 2:19 (IRV)। “मैंने तेरा वचन उन्हें पहुँचा दिया है, और संसार ने उनसे बैर किया, क्योंकि जैसा मैं संसार का नहीं, वैसे ही वे भी संसार के नहीं। मैं यह विनती नहीं करता, कि तू उन्हें जगत से उठा ले, परन्तु यह कि तू उन्हें उस दुष्ट से बचाए रख। जैसे मैं संसार का नहीं, वैसे ही वे भी संसार के नहीं।” यूहन्ना 17:14–16 (IRV)।

विश्वास की अच्छी कुश्ती

“विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़; और उस अनन्त जीवन को धर ले, जिसके लिये तू बुलाया गया, और बहुत गवाहों के सामने अच्छा अंगीकार किया था।” 1 तीमुथियुस 6:12 (IRV)। “मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूँ, मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैंने विश्वास की रखवाली की है।” 2 तीमुथियुस 4:7 (IRV)। “हे प्रियों, जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने में अत्यन्त परिश्रम से प्रयत्न कर रहा था, जिसमें हम सब सहभागी हैं; तो मैंने तुम्हें यह समझाना आवश्यक जाना कि उस विश्वास के लिये पूरा यत्न करो जो पवित्र लोगों को एक ही बार सौंपा गया था।” यहूदा 3 (IRV)।

आरम्भिक कलीसिया

“वे अपने-अपने देशों में रहते हैं, परन्तु केवल परदेशियों के रूप में। नागरिकों के रूप में वे दूसरों के साथ सब बातों में भागी होते हैं, और फिर भी विदेशियों के समान सब कुछ सहते हैं। हर विदेशी भूमि उनके लिये उनकी जन्मभूमि के समान है, और उनके जन्म की हर भूमि परदेशियों की भूमि के समान। वे सब [दूसरों] के समान विवाह करते हैं; वे सन्तान उत्पन्न करते हैं; परन्तु अपनी सन्तान को नष्ट नहीं करते। उनकी मेज़ साझी है, पर बिछौना साझा नहीं। वे शरीर में हैं, परन्तु शरीर के अनुसार नहीं जीते। वे अपने दिन पृथ्वी पर बिताते हैं, परन्तु वे स्वर्ग के नागरिक हैं।” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) दियोग्नेतुस के नाम पत्री, अध्याय 5, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में। “इसलिए सावधान रहो कि परमेश्वर का धन्यवाद करने और उनकी स्तुति प्रगट करने के लिये बार-बार इकट्ठे हुआ करो। क्योंकि जब तुम बार-बार एक ही स्थान में इकट्ठे होते हो, तो शैतान की शक्तियाँ नष्ट हो जाती हैं...” (ANF 1 के अंग्रेज़ी पाठ से अनूदित) अन्ताकिया के इग्नेशियस, इफिसियों के नाम पत्री, अध्याय 13, The Ante-Nicene Fathers, सं. Alexander Roberts और James Donaldson, खंड 1 (Buffalo, NY: Christian Literature Publishing, 1885) में।

इस पृष्ठ पर हिंदी में उद्धृत सभी बाइबल-वचन इंडियन रिवाइज्ड वर्जन (IRV) हिंदी, 2019 से लिए गए हैं। कॉपीराइट © 2017, 2018, 2019 Bridge Connectivity Solutions; Creative Commons Attribution-ShareAlike 4.0 International (CC BY-SA 4.0) लाइसेंस के अंतर्गत। पाठ: ebible.org/hin2017। वचनों के अंश

उद्धृत किए गए हैं; लोप-चिह्न (...) छोड़े गए अंश दर्शाते हैं। बाइबल के पाठ में कोई अन्य परिवर्तन नहीं किया गया है।